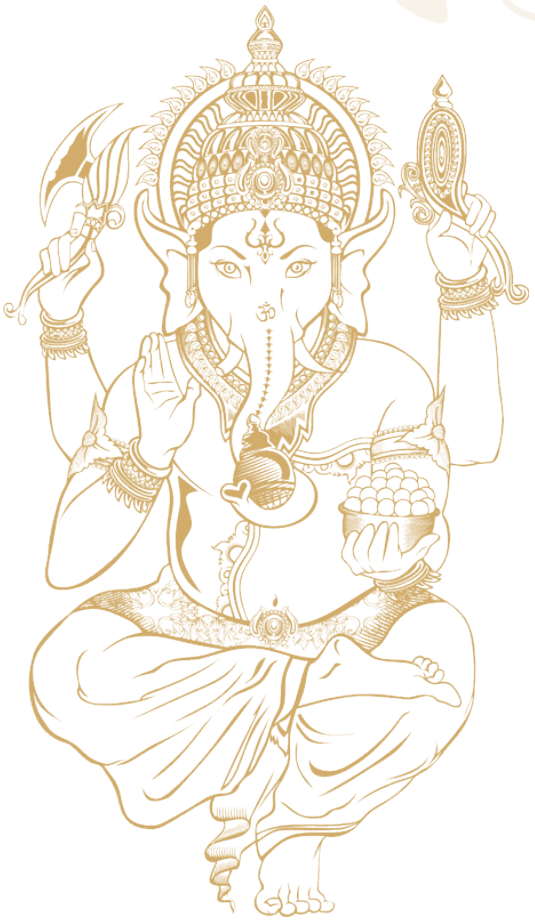

Mr Sumit

18 Apr 1987

04:54 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119068006

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/04/1987**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**16:54:00 घंटे**
इष्ट	27:31:01 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:32:52 घंटे
वेलान्तर	00:00:31 घंटे
साम्पातिक काल	06:17:03 घंटे
सूर्योदय	05:53:35 घंटे
सूर्यास्त	18:48:10 घंटे
दिनमान	12:54:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	04:13:23 मेष
लग्न के अंश	10:04:37 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	परिघ
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

Prof Bihari Lal Sharma
Vice Chancellor,
Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi, U P

9911117489
dblsharma@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	10:04:37	317:58:45	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			मेष	04:13:23	00:58:38	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			धनु	01:34:23	14:20:37	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृष	14:51:09	00:39:52	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	सम राशि
बुध			मीन	15:30:38	01:42:33	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	नीच राशि
गुरु			मीन	17:32:30	00:14:12	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	स्वराशि
शुक्र			मीन	01:15:55	01:12:15	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शनि	व		वृश्चि	27:12:45	00:01:45	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	17:45:23	00:01:38	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
केतु	व		कन्या	17:45:23	00:01:38	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	02:55:22	00:00:52	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
नेप	व		धनु	14:18:18	00:00:16	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	15:12:50	00:01:39	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
दशम भाव			मिथु	10:13:59	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:42

लग्न-चलित

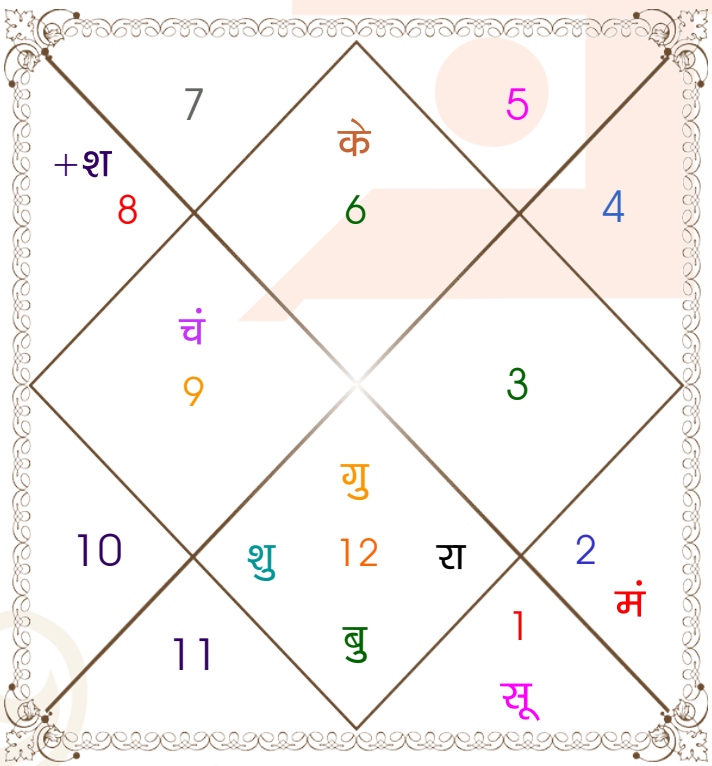

चन्द्र कुंडली

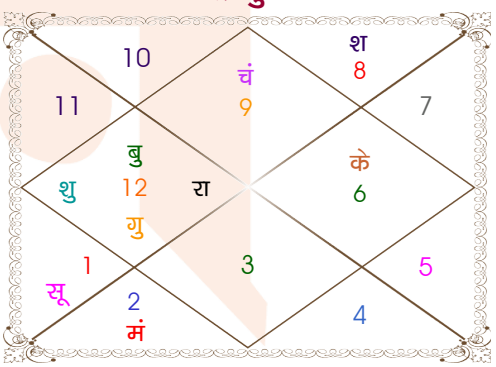

नवमांश कुंडली

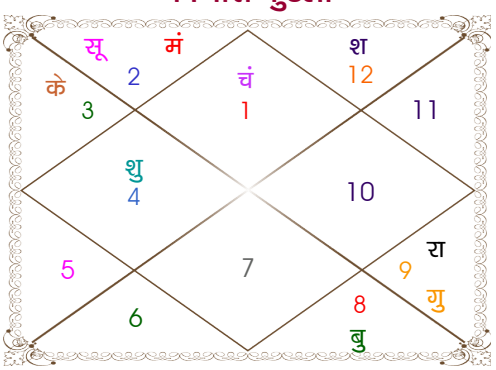

Prof Bihari Lal Sharma
Vice Chancellor,
Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi, U P

9911117489
dblsharma@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 2 मास 2 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/04/1987		20/06/1993		20/06/2013		21/06/2019		20/06/2029	
20/06/1993		20/06/2013		21/06/2019		20/06/2029		20/06/2036	
	18/04/1987	शुक्र	20/10/1996	सूर्य	08/10/2013	चंद्र	20/04/2020	मंगल	16/11/2029
शुक्र	17/01/1988	सूर्य	20/10/1997	चंद्र	09/04/2014	मंगल	19/11/2020	राहु	05/12/2030
सूर्य	24/05/1988	चंद्र	21/06/1999	मंगल	14/08/2014	राहु	21/05/2022	गुरु	11/11/2031
चंद्र	23/12/1988	मंगल	20/08/2000	राहु	09/07/2015	गुरु	20/09/2023	शनि	20/12/2032
मंगल	21/05/1989	राहु	21/08/2003	गुरु	26/04/2016	शनि	20/04/2025	बुध	17/12/2033
राहु	08/06/1990	गुरु	21/04/2006	शनि	08/04/2017	बुध	20/09/2026	केतु	15/05/2034
गुरु	15/05/1991	शनि	20/06/2009	बुध	13/02/2018	केतु	21/04/2027	शुक्र	15/07/2035
शनि	23/06/1992	बुध	20/04/2012	केतु	21/06/2018	शुक्र	20/12/2028	सूर्य	20/11/2035
बुध	20/06/1993	केतु	20/06/2013	शुक्र	21/06/2019	सूर्य	20/06/2029	चंद्र	20/06/2036

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
20/06/2036		21/06/2054		21/06/2070		20/06/2089		22/06/2106	
21/06/2054		21/06/2070		20/06/2089		22/06/2106		00/00/0000	
राहु	03/03/2039	गुरु	08/08/2056	शनि	23/06/2073	बुध	17/11/2091	केतु	18/11/2106
गुरु	27/07/2041	शनि	19/02/2059	बुध	02/03/2076	केतु	13/11/2092	शुक्र	19/04/2107
शनि	02/06/2044	बुध	27/05/2061	केतु	11/04/2077	शुक्र	14/09/2095		00/00/0000
बुध	20/12/2046	केतु	03/05/2062	शुक्र	11/06/2080	सूर्य	20/07/2096		00/00/0000
केतु	08/01/2048	शुक्र	01/01/2065	सूर्य	24/05/2081	चंद्र	20/12/2097		00/00/0000
शुक्र	07/01/2051	सूर्य	20/10/2065	चंद्र	23/12/2082	मंगल	17/12/2098		00/00/0000
सूर्य	02/12/2051	चंद्र	19/02/2067	मंगल	01/02/2084	राहु	07/07/2101		00/00/0000
चंद्र	02/06/2053	मंगल	26/01/2068	राहु	08/12/2086	गुरु	12/10/2103		00/00/0000
मंगल	21/06/2054	राहु	21/06/2070	गुरु	20/06/2089	शनि	22/06/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 2 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Prof Bihari Lal Sharma
Vice Chancellor,
Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi, U P

9911117489
dblsharma@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

Prof Bihari Lal Sharma
Vice Chancellor,
Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi, U P

9911117489
dblsharma@gmail.com

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।

Prof Bihari Lal Sharma
Vice Chancellor,
Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi, U P

9911117489
dblsharma@gmail.com